ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 22-01-2026

इटावा(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-22 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-01-23	2026-01-24	2026-01-25	2026-01-26	2026-01-27
वर्षा (मिमी)	0.0	8.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	22.0	19.0	19.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	12.0	13.0	9.0	8.0	9.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	86	99	91	87	97
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	54	56	63	50	58
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	16	12	12	10
पवन दिशा (डिग्री)	304	105	353	308	314
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	6	4	2	2
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विभाग के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 24 जनवरी, 2026 को पहले दिन आसमान साफ रहेगा और शेष दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाए रहने के कारण हल्की बारिश, तेज हवाओं, गरज और बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 21.0-25.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक हो सकता है, और न्यूनतम तापमान 8.0-13.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस अधिक हो सकता है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर क्रमशः 71-86% और 32-42% के बीच रहेगा। हवा की दिशा उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से होगी और हवा की गति 6.0-14.0 किमी/घंटा के बीच रहेगी, जो सामान्य से 5-6 किमी/घंटा अधिक होने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से मिली मौसम की जानकारी के अनुसार, 24 जनवरी, 2026 को गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज़ हवाओं की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना , राजमा , मटर आदि फसलों को शीत लहर/पाला से बचाव के लिए सल्फ्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी/कीटनाशक का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना , राजमा , मटर आदि फसलों को शीत लहर से बचाव के लिए सल्फ्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। व्यक्तियों को गर्म कपड़े पहननें और जितना संभव हो सके घर के अन्दर रहने, ठण्डी हवा से बचने के लिए कम से कम यात्रा करें। वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें| घने कोहरे में वाहन चलाते समय सुरक्षित परिवहन हेतु सड़क पर बनी पट्टिकाओं का अनुसरण अवश्य करें|तथा रात के समय जूट के बोरे को पशुओं के ऊपर डाल दें और रात के समय जानवरों को खुले स्थान पर न बांधें।

लघु संदेश सलाहकार:

बारिश की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी रबी फसलों की सिंचाई और खरपतवारनाशक/कीटनाशक के छिड़काव को स्थगित कर दें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	किसानों को गेहूं की फसल की सिंचाई और खरपतवारनाशक छिड़काव स्थगित करने की सलाह दी जाती है। बारिश न होने की स्थिति में, बुवाई के 40-45 दिन बाद कल्टर निकलने की अवस्था में दूसरी सिंचाई और बुवाई के 60-65 दिन बाद गांठ बनने की अवस्था में तीसरी सिंचाई करें। हल्की सिंचाई और नाइट्रोजन अवश्य डालें। दूसरी सिंचाई के बाद जब जई दिखाई देने लगे, तो एक तिहाई मात्रा में खाद डालें। यदि गेहूं की फसल में संकरी और चौड़ी पत्ती वाली दोनों प्रकार की खरपतवार दिखाई दें, तो पहली सिंचाई के बाद, जब पर्याप्त नमी हो, तो 33 ग्राम/हेक्टेयर की दर से सल्फोसल्फ्यूरन 75% डब्ल्यूपी या 250 ग्राम/हेक्टेयर की दर से मैट्रिबुजिन 70% डब्ल्यूपी 500-600 ग्राम की दर से डालें। एक लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
सरसों	किसानों को सरसों की फसल की सिंचाई और खरपतवारनाशक/कीटनाशक छिड़काव को स्थगित करने की सलाह दी जाती है। बारिश न होने की स्थिति में, सरसों की फसल में दूसरी सिंचाई बुवाई के 55-65 दिन बाद, फूल आने से पहले की जानी चाहिए। आसमान में लगातार बादल छाए रहने से सरसों की फसल में एफिड कीट लगने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए इससे बचाव के लिए क्लोरपाइरिफोस 20% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर या मोनोक्रोटोफोस 36% एसएल का प्रयोग करें। 500 मिलीलीटर/हेक्टेयर का घोल 600-700 लीटर पानी में बनाकर छिड़काव करें।
फील्ड पी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मटर की फसल की सिंचाई और खरपतवारनाशक/कीटनाशक छिड़काव को स्थगित कर दें। बारिश न होने की स्थिति में, मटर की फसल में अधिक नमी के कारण पत्तियों, तनों और फलियों पर सफेद पाउडर जैसे रोग के प्रसार को रोकने के लिए, 2 किलो घुलनशील सल्फर 80% या 50 मिली/हेक्टेयर की दर से ट्राइडेमॉर्फ 80% ईसी का घोल 500-600 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
चना	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे चने की फसल की सिंचाई और खरपतवारनाशक/कीटनाशक छिड़काव को स्थगित कर दें। बारिश न होने की स्थिति में, चने की फसल में फूल आने से पहले सिंचाई अवश्य करें। समय पर बोई गई चने की फसल में अंकुरण बंद कर दें। चने की फसल में कटवर्म (कीट) के प्रकोप की संभावना है; इससे बचाव के लिए, 500-600 लीटर पानी में 2.0 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से क्लोरपाइरिफोस 50% ईसी + स्पर्मेथ्रिन 5% ईसी का छिड़काव करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	किसानों को आलू की फसल की सिंचाई और खरपतवारनाशक/कीटनाशक छिड़काव को स्थगित करने की सलाह दी जाती है। बारिश न होने की स्थिति में आलू की फसल में लेट ब्लाइट रोग फैलने की संभावना है, इसलिए इसकी रोकथाम के लिए साफ मौसम में मैनकोजेब (2.0 ग्राम/लीटर पानी) या 0.2% डाइथेन एम-45 (1.5 मिली/लीटर पानी) का घोल छिड़कें। यदि मौसम कई दिनों तक नम और बादल छाए रहें, तो आवश्यकतानुसार 10-12 दिनों के अंतराल पर 3-4 बार छिड़काव करें।
प्याज	किसानों को प्याज की फसल की सिंचाई और खरपतवारनाशक/कीटनाशक छिड़काव स्थगित करने की सलाह दी जाती है। बारिश न होने की स्थिति में, टमाटर की फसल में लेट ब्लाइट और बैक्टीरियल ब्लाइट रोग के प्रकोप की स्थिति में, 10 लीटर पानी में 30 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड और 1 ग्राम स्ट्रेप्टोमाइसिन का मिश्रण बनाकर छिड़काव करें। यदि सब्जियों की फसलों में फल छेदक/पत्ती छेदक कीट का प्रकोप दिखाई दे, तो इसके नियंत्रण के लिए 1.5 मिलीलीटर नीम के तेल को 1 लीटर पानी में घोलकर 8-10 दिनों के अंतराल पर 3-4 बार छिड़काव करें। प्याज की नर्सरी में डैम्पिंग ऑफ (नम सड़न) रोग होने की संभावना है, इसकी रोकथाम के लिए 2.5 ग्राम थायरम या 2.5 ग्राम मैकोज़ेब का घोल बनाकर 1 लीटर पानी में छिड़काव करें। नर्सरी के लिए कल्याणपुर रेड गोल, पूसा रतनार, एग्रीफाउंड लाइट रेड, एक्स काइलीवर, बरगंडी, केपी, ओरिएंट, रोजी आदि प्याज की प्रजातियों की सिफारिश की जाती है। नर्सरी में किसी एक किस्म के पौधे लगाएं और तैयार पौधों को रोप दें।
आम	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे आम की फसल की सिंचाई और खरपतवारनाशक/कीटनाशक छिड़काव को स्थगित कर दें। बारिश न होने की स्थिति में, आम के फूलों को झुलसा रोग से बचाने के लिए, मैनकोज़ेब + कार्बेन्डाज़िम (2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी) का 0.2 प्रतिशत घोल या ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% + टेबुकोनाज़ोल 50% (0.25 ग्राम प्रति लीटर पानी) का घोल छिड़कें। आम के पेड़ों में बेहतर फूल आने के लिए, 2000 लीटर पानी में 5 किलोग्राम एनपीके घोल घोलकर छिड़काव करें; यह 50 पेड़ों के लिए पर्याप्त है। यदि आम के पौधों में फूल और फूल गुच्छों पर कीट लगने के लक्षण दिखाई दें, तो नियंत्रण के लिए डाइमेथोएट (30 प्रतिशत सक्रिय तत्व) का 2.0 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	मौसम में बदलाव की संभावना को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने जानवरों को रात के दौरान खुले में न बांधें और रात में खिड़कियों और दरवाजों पर जूट के बोरे के पर्दे लगाएं और दिन के दौरान धूप में पर्दे हटा दें। पशुओ को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम के लिए टीका लगवायें। इस रोग से ग्रसित पशुओ के घाव को पोटैशियम परमैगनेट से धोए। गर्भवती भैसों /गायों को ढलान वाले स्थान पर न बांधे। गर्भवती भैसों /गायों को पौष्टिक चारा एवं दाना खिलायें तथा नवजात बच्चे को तीन दिन तक खिस अवश्य पिलायें। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। किलनी/जू के संक्रमण से बचाव हेतु पशुबाड़ों में चूने का छिड़काव करें ताकि किलनी/जू के अंडे व लार्वा नष्ट हो जाय। प्रजनन संबंधी समस्त रोगों के निराकरण हेतु पशुपालकों को सलाह दी जाती है कि हरा चारा, भूसा, पशु आहार के अतिरिक्त खनिज लवण अवश्य खिलायें। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में 2 -3 बार अवश्य पिलायें। कृषकों/पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन नं.-1962 पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को दिन में 15 से 16 घंटे प्रकाश उपलब्ध कराये। मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। चूजों को ठंड से बचाने हेतु पर्याप्त गर्मी की व्यवस्था करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से मिली मौसम की जानकारी के अनुसार, 24 जनवरी, 2026 को गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और तेज़ हवाओं की चेतावनी जारी की गई है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सूचित किया जाता है कि वे बर्षा की सम्भावना को देखते हुए रबी की खड़ी फसलों में सिचाई एवं खरपतवारनाशी का छिड़काव स्थगित रखें। सरसों, चना , राजमा , मटर आदि फसलों को शीत लहर/पाला से बचाव के लिए सल्फ्यूरिक एसिड 0.1 % 1 लीटर की दर से 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details